International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in September 2024, ISSN -2393-8048

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन

नवीन कुमार सैनी, शोधार्थी, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर
डॉ. कल्पना सैंगर, शोध निर्देषिका, प्रोफेसर, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन करना था। इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् 500 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्ष हेतु किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वनिर्मित आपदा प्रबन्धन चेतना मापनी एवं आपदा सहायता कार्यक्रम चेतना मापनी का प्रयोग किया गया है। प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण के माध्यम से किया गया है। परिणाम में यह पाया कि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

मुख्य शब्दः– माध्यमिक स्तर, आपदा प्रबन्धन एवं सहायता कार्यक्रम।

प्रस्तावना

खतरे का ऐसा स्वरूप जिससे विशाल स्तर पर जन–धन वह भूमि की हानि होती है, उसे आपदा कहते हैं। प्राकृतिक आपदाएँ विनाशकारी घटनाएँ हैं जो किसी समुदाय की सुरक्षा और कार्य को खतरे में डालती हैं। यह सार्वजनिक और निजी दोनों संपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचाती है। प्राकृतिक आपदा एक भूभौतिकीय घटना है जो मानव जीवन, आजीविका और संपत्ति को बड़े पैमाने पर खतरा और क्षति पहुंचाती है। भूकंप, सुनामी, भूस्खलन, बाढ़, सूखा, ज्वालामुखी विस्फोट, बादल फटना आदि कुछ प्राकृतिक आपदाएँ हैं जो समय–समय पर लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं। आपदाएँ प्राकृतिक कारणों के अलावा मानवजनित कारणों से भी हो सकती हैं। वनों की कटाई, कृषि पद्धतियाँ, खनन आदि जैसी गतिविधियाँ भूस्खलन का कारण बनती हैं। इसके अलावा, जंगल की आग फिर से पौधों और जानवरों के प्राकृतिक आवास को नुकसान पहुंचा सकती है।

प्राकृतिक आपदाओं को रोक पाना बहुत ही मुश्किल कार्य है, फिर भी आपदा से पूर्व यदि हम सतर्क रहें, तो काफी हद तक सुरक्षित रह सकते हैं। यदि हमें आपदा के विषय में जानकारी है, तो आपदा के बाद जो खतरे उत्पन्न होते हैं उनसे हम सुरक्षित रह सकते हैं। इसलिए आज के समय में हमें आपदा की जानकारी रखना नितांत आवश्यक है, जिससे बड़े नुकसान से कुछ हद तक राहत मिल सके कुछ आपदा प्राकृतिक होती है लेकिन कुछ आपदाएँ मानव जनित भी होती इसलिए हमें आपदा के विषय में जानकारी होना अति आवश्यक है।

आपदा प्रबंधन में आपदाओं के प्रभाव को कम करने और प्रभावी प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से कई गतिविधियाँ शामिल हैं। इसमें सावधानीपूर्वक योजना, समन्वय और शिक्षा शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समुदाय अप्रत्याशित प्रतिकूलताओं का सामना करने के लिए तैयार है।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

पटेल, भौमिक (2018) – माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का अध्ययन।

उद्देश्य

- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का निर्धारण करना।
- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का उनके मानकों के संदर्भ में अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की लिंग के संदर्भ में आपदा प्रबंधन जागरूकता का अध्ययन करना।
- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के संदर्भ में आपदा प्रबंधन जागरूकता का अध्ययन करना।

निष्कर्ष

- कक्षा 9 और कक्षा 10 के विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- लड़कों और लड़कियों में आपदा प्रबंधन जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

- उच्च शैक्षणिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों में जागरूकता अधिक होती है।

रेखा (2018) – केरल के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।

उद्देश्य

- केरल के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण की सीमा का पता लगाना।
- लिंग के संबंध में केरल के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर का अध्ययन करना।

निष्कर्ष

- माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का आपदा प्रबंधन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है।
- माध्यमिक विद्यालय की लड़कियों और लड़कों के आपदा प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण में काफी भिन्नता है।

अध्ययन का उद्देश्य

1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन करना।
2 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

1 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।
2 माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् 500 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्ष हेतु किया गया है।

प्रदत्त संकलन हेतु उपकरण

प्रस्तुत षोध अध्ययन में स्वनिर्मित आपदा प्रबन्धन चेतना मापनी एवं आपदा सहायता कार्यक्रम चेतना मापनी का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय प्रविधियाँ

प्रदत्तों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण के माध्यम से किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना 1– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक : 1

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान	परिणाम
छात्र	250	35.41	8.64	2.68	अस्वीकृत
छात्राएँ	250	37.52	8.97		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की आपदा प्रबंधन के प्रति चेतना का मध्यमान क्रमषः 35.41 व 37.52 और मानक विचलन क्रमषः 8.64 व 8.97 है। मध्यमान एवं मानक विचलन की सहायता से टी–परीक्षण की गणना करने पर मान 2.68 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंष 498 और 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से अधिक है। अतः षून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =7.938, July-December 2024, Submitted in September 2024, ISSN -2393-8048

आरेख : 1
माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना के मध्यमान एवं मानक विचलन

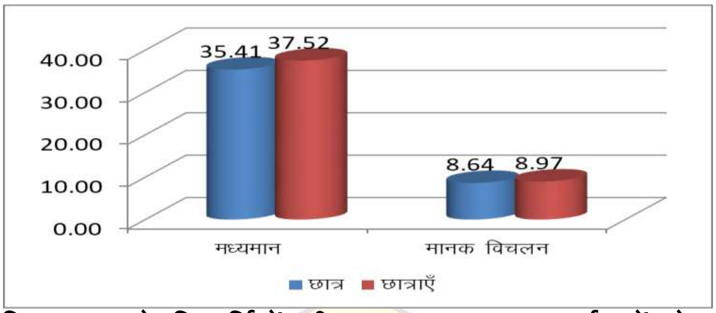

परिकल्पना 2– माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

तालिका क्रमांक : 2
माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में अंतर

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान	परिणाम
छात्र	250	25.58	6.61	4.45	अस्वीकृत
छात्राएँ	250	28.35	7.30		

व्याख्या एवं विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना का मध्यमान क्रमषः 25.58 व 28.35 और मानक विचलन क्रमषः 6.61 व 7.30 है। मध्यमान एवं मानक विचलन की सहायता से टी–परीक्षण की गणना करने पर मान 4.45 प्राप्त हुआ जो कि स्वतंत्रता के अंष 498 और 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका के मान 1.97 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

आरेख : 2
माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना के मध्यमान एवं मानक विचलन

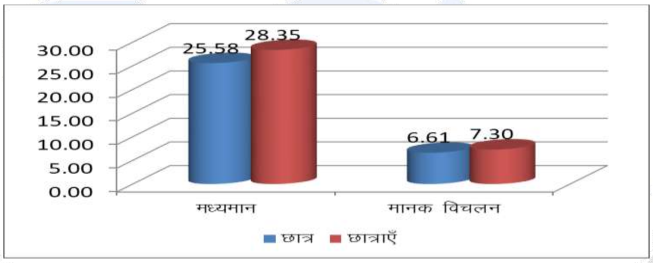

निष्कर्ष

1 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की आपदा प्रबन्धन कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर है।
2 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की आपदा सहायता कार्यक्रमों के प्रति चेतना में सार्थक अंतर है।

सुझाव

- शिक्षा नीति और पाठ्यक्रम में आपदा प्रबंधन शिक्षा को पर्याप्त महत्व और उच्च स्थान दिया जाना चाहिए।
- सरकार और अन्य सक्षम प्राधिकारी को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जागरूकता कार्यक्रमों, नुक्कड़ नाटकों, सम्मेलनों आदि के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक करना चाहिए।
- शैक्षिक अधिकारियों को उचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा सके और संबंधित आपदा प्रबंधन चेतना भी विकसित की सके।
- शीर्ष शैक्षिक प्रशासन निकाय को विद्यालयों में आपदा प्रबंधन शिक्षा के संबंध कठोर मानदंड और मानक तैयार करने चाहिए।

- आपदा प्रबंधन शिक्षा के संबंध में एक स्पष्ट अनिवार्य दिशानिर्देश जारी किए जाने चाहिए और विद्यालय में उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- आपदा प्रबंधन विषय को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए।
- विद्यालय में प्रधानाचार्य को आपदा प्रबंधन केंद्रों से संपर्क बनाए रखना चाहिए और इसके कार्यक्रम का अधिकतम उपयोग करना चाहिए।
- विद्यालय में अग्निशमन या आपदा शमन जैसी गतिविधियों पर खेलों का आयोजन किया जाना चाहिए, जो आपदा प्रबंधन के समय सहायक होंगे।
- विद्यालय प्रबंधन और अन्य सक्षम प्राधिकारी को सह–पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों जैसे सेमिनार, रोल प्लेइंग, नुक्कड़ नाटक, मॉक ड्रिल, अभ्यास और अभ्यास, कार्यशालाएं, सम्मेलन, कौशल विकास कार्यक्रम आदि पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

संदर्भ सूची

- एंबॉय, डोना (2018). ग्लोरिया नगर पालिका में सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की आपदा जागरूकता और तैयारी : कार्य योजना का आधार। *APCoRe Journal of Proceedings*, 1(6), 11-15.
- भगत, सचिनकुमार एन. (2017). भारत में समुदाय–आधारित आपदा प्रबंधन रणनीति पर अध्ययन। *PDPU Journal of Energy & Management*, 11-17.
- खराट, परमेष्वर (2022)– शहर के चयनित माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों में आपदा तैयारी और शमन पर जागरूकता कार्यक्रम की प्रभावशीलता। *International Journal of Advance Research, Ideas and Innovations in Technology*, 8(3), 658-662.
- जोशी, सोनोपंत (2023). आपदा प्रबंधन के संबंध में स्कूल शिक्षकों का ज्ञान और व्यवहार पर अध्ययन। *International Journal of Health System and Disaster Management*, 2;2), 98.102.
- मिश्र, शिव गोपाल (2018). *आपदा प्रबंधन,* दिल्ली : प्रभात पब्लिशर्स।
- मिश्रा, एस.पी. (2005). *प्राकृतिक प्रकोप एवं आपदाऐं.* जयपुर : पोइंटर पब्लिशर्स।
- नारायण (2015). *प्रकाशन पर्यावरण, प्राकृतिक आपदाऐं और प्रबंधन.* जयपुर : आदि पब्लिकेशन्स।
- पटेल, भौमिक (2018). माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की आपदा प्रबंधन जागरूकता का अध्ययन। *International Journal of Research in all Subjects in Multi Languages*, 6(12), 36-39.
- पाठक, उमा (2016). *आपदा प्रबंधन.* नई दिल्ली : अग्नि प्रकाशन।
- रेखा (2018). केरल के माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन। *International Journal of Scientific & Engineering Research*, 9(7), 2042-2044.